(ख) यदि हां तो तत्संबंधी ब्योरा क्या है और सर्वेक्षण, कब तक किया जायेगा ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) और (ख). इस समय भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा फास्फोराइट के लिए कुमायूं के हिमालयों में, मैग्नेसाइट के लिए पिथौरागढ जिले में, चूना पत्थर के लिए अल्मोडा और पिथौरागढ जिलों से तथा आधार धातु के लिए पिथौरागढ जिले के असकोट क्षेत्र चमोली जिले में, पोखड़ी और धानपुर क्षेत्रों में अन्वेषण किए जा रहे हैं। सुव्यवस्थित मानचित्रण को सम्मिलित कर इन भू-वैज्ञानिक अन्वेषणों के अतिरिक्त पिथौरागढ जिले के असकोट क्षेत्र और उत्तर प्रदेश के हिमालयों के सभी जिलों में भूरसायनिक और भूभौतिकीय समन्वेषण किए जा रहे हैं।

खनिज समन्वेषण निरन्तर प्रक्रिया है और इसी कारणवश इसे प्रर्याप्त कालावधि तक चालू रखा जायेगा। उत्तर प्रदेश के समस्त हिमालय भूभाग को अन्तर्निहित करते हुए भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्ष ने भू-वैज्ञानिक मानचित्रण और खनिज अन्वेषण का व्यापक कायक्रम बनाया है। उससे प्रर्याप्त क्षेत्रों में भूवैज्ञानिक अन्वेषण किए जाने सभव हो सकेंगे और उत्तर प्रदेश के हिमालय-भूभाग में ऐसे खनिजीकृत क्षेत्रों का अभिज्ञान होगा जिनमें आगामी 5-6 वर्षों के भीतर विस्तृत रूप से आगे कार्य किया जा सकेगा।

अलमोड़ा और पौढ़ी गढ़वाल जिलों में खनिज निक्षेपों के बारे में भूगर्भीय सर्वेक्षण

1177. **श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा** करेंगे कि :

(क) क्या भूगर्भीय सर्वेक्षण से बागेश्वर (जिला अल्मोडा) और पौढी गढवाल जिले में क्रमशः मैंगनीज और एस्बस्टास के विशाल निक्षेप के उपलब्ध होने का पता चला है,

(ख) यदि हां, तो इन निक्षेप को कब तक निकाला जायगा, और

(ग) इसके परिणामस्वरूप कितने व्यक्तियों को रोजगार मिलने की सभावना है।

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) अल्मोडा जिले के बागेश्वर में मैंगनीज के और पौढी गढवाल जिले में एसबेस्ट्स के कोई भी काय योग्य निपेक्ष बताए गए हैं।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठते हैं।

Report of the High-level Fuel Policy Committee

1178 SHRI S A MURUGANANTHAM Will the Minister of STELL AND MINES be pleased to state

(a) whether any progress has been made by the high-level fuel policy committee in its work, and

(b) whether the committee will be able to submit its report within the stipulated period of one year ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STELL AND MINES (SHRI SHAHNAWAZ KHAN) (a) The Fuel Policy Committee's work is at present in its preliminary stages

(b) While the Committee has not asked for extension of time so far, it is likely that it may not be able to submit its report within the stipulated period of one year from October, 1970